

कार्यशाला रिपोर्ट

विषय: “राजभाषा हिंदी - नीति, नियम एवं कार्यान्वयन”

(प्रमुख वक्ता :- डॉ. अजीत कुमार)

(राजभाषा अधिकारी, एस.बी.आई, स्थानीय प्रधान कार्यालय, दिल्ली)

दिनांक 18 मार्च 2026 को माता सुंदरी महिला महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय की राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा “राजभाषा हिंदी – नीति, नियम एवं कार्यान्वयन” विषय पर एक अत्यंत प्रभावशाली, ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के बेबे नानकी हॉल में दोपहर 01:00 बजे आयोजित हुआ, जिसमें प्राध्यापकगण, विद्यार्थी तथा गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संजय (संयोजक, राजभाषा कार्यान्वयन समिति) द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ. रीता (सदस्य, राजभाषा कार्यान्वयन समिति) द्वारा मुख्य वक्ता डॉ. अजीत कुमार को पौधा भेंट कर सम्मान किया गया।

कार्यक्रम का अगला चरण संयोजक डॉ. संजय के स्वागत भाषण एवं अतिथि परिचय से प्रारंभ हुआ। जिसमें उन्होंने मुख्य वक्ता का परिचय देते हुए उन्हें बहुमुखी प्रतिभा के धनी व्यक्तित्व के रूप में प्रस्तुत किया तथा बताया कि उन्होंने अपने लेखन, प्रशासनिक दक्षता एवं कार्यकुशलता के माध्यम से राजभाषा हिंदी के क्षेत्र में अनेक नए प्रतिमान स्थापित किए हैं। उनके निरंतर प्रयासों के फलस्वरूप हिंदी आज प्रशासनिक एवं संस्थागत स्तर पर एक सशक्त और प्रतिष्ठित स्थान प्राप्त कर रही है।

इसके उपरान्त मुख्य वक्ता डॉ. अजीत कुमार ने मंच पर आकर अपना संक्षिप्त परिचय दिया और विषय पर विस्तारपूर्वक विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि करियर निर्माण, प्रशासनिक कार्यों एवं दैनिक जीवन में अत्यंत उपयोगी और प्रभावी माध्यम है। उन्होंने पिछले दस वर्षों में हिंदी के तीव्र विकास का उल्लेख करते हुए बताया कि इस दौरान हिंदी ने अनेक नए आयाम प्राप्त किए हैं।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हिंदी संघ की राजभाषा है, जबकि अंग्रेजी उसकी सहायक भाषा के रूप में कार्य करती है। प्रशासनिक कार्यों में दोनों भाषाओं का संतुलित प्रयोग किया जाता है, किंतु हिंदी के संवर्धन और उसके अधिकाधिक प्रयोग पर विशेष बल दिया जाता है। डॉ. अजीत कुमार ने राजभाषा अधिनियम, 1963 तथा उससे संबंधित विभिन्न प्रावधानों एवं संशोधनों पर भी प्रकाश डाला और बताया कि किस प्रकार सरकार समय-समय पर हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु सक्रिय प्रयास करती रही है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हिंदी का विकास क्षेत्रीय भाषाओं के समन्वय से संभव हुआ है, जिससे यह भाषा और अधिक समृद्ध एवं व्यापक बनी है। तकनीकी क्षेत्र में हिंदी की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि आज हिंदी में कार्य करना अत्यंत सरल हो गया है। वर्ड फाइल में हिंदी टाइपिंग, वॉयस टाइपिंग (बोलकर लिखना), तथा विभिन्न आधुनिक फॉन्ट्स और डिजिटल उपकरणों की उपलब्धता ने हिंदी को तकनीकी रूप से सशक्त बनाया है। इससे विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को कार्य करने में अत्यधिक सुविधा प्राप्त हो रही है। उन्होंने विद्यार्थियों को यह भी बताया कि भाषा में कार्यालयीन कार्य किस प्रकार किया जाता है। उन्होंने पत्र लेखन, टिप्पण (नोटिंग), प्रतिवेदन, कार्यालय आदेश आदि के माध्यम से यह स्पष्ट किया कि इनमें हिंदी का प्रयोग कैसे किया जाता है, जिससे विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हुआ। कार्यशाला का एक प्रमुख आकर्षण संवादात्मक (इंटरएक्टिव) सत्र रहा, जिसमें विद्यार्थियों के साथ-साथ गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्य वक्ता ने गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों से यह प्रश्न पूछा कि प्रथम प्राथमिकता की भाषा किसे समझा जाना चाहिए, जिसका उन्होंने उत्साहपूर्ण उत्तर दिया। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों ने भी आत्मविश्वास के साथ प्रश्नों के उत्तर दिए, जिससे कार्यक्रम का वातावरण अत्यंत जीवंत एवं रोचक बना रहा। इस कार्यशाला में प्राध्यापकों, विद्यार्थियों एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों—सभी ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतिभागियों का उत्साह कार्यक्रम के प्रारंभ से अंत तक बना रहा और विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता के साथ इस आयोजन को सफल बनाया। यह कार्यशाला सभी के लिए अत्यंत उपयोगी, ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुई। कार्यक्रम के अंत में डॉ. रीता ने समापन की औपचारिक घोषणा करते हुए कार्यक्रम की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा सभी अतिथियों, प्रतिभागियों और सहयोगियों का आभार प्रकट किया। इस प्रकार यह कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

कार्यक्रम का पोस्टर

माता सुंदरी महिला महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय
की
राजभाषा कार्यान्वयन समिति
द्वारा आयोजित
कार्यशाला
"राजभाषा हिन्दी- नीति, नियम एवं
कार्यान्वयन"

दिनांक- 18 मार्च, 2026
समय- दोपहर 01.00 बजे
स्थान- बेवे नानकी हॉल

संरक्षक
प्रो. हरप्रीत कौर
(प्राचार्य)

संयोजक
डॉ. संजय
(राजभाषा कार्यान्वयन समिति)

सदस्य
डॉ. रीता
(राजभाषा कार्यान्वयन समिति)

सदस्य
डॉ. लक्ष्मी देवी
(राजभाषा कार्यान्वयन समिति)

वक्ता-
डॉ. अजीत कुमार
(राजभाषा अधिकारी, एच.डी.आई.,
स्वायत्त प्रधान कार्यालय, दिल्ली)



कार्यक्रम के कुछ छायाचित्र

